गुनाह किए इतने कि हमसे गिनती करी ना जाए
भूलें होती जाती है बाबा कितना भी तूँ समझाए
कहना मानें आपका दिल चाहता है कितना मेरा
जितना पक्का करूँ टूटता है निश्चय उतना मेरा
माया से बचने के मैंने किये कितने बन्दोबस्त
कहीं से भी आ जाती है ये माया बड़ी कमबख्त
मायाजीत बनने का आओ ऐसा बन्दोबस्त करें
अशरीरी बनकर पुरानी दुनिया से पूरा ही मरें
सच्चा सुख देकर दुआओं का खाता जमा करें
सुनें ज्ञान की बातें और ज्ञान की बातें ही कहें
बाबा से योग लगाने का समय निकलते जाएँ
अपने योगबल से शक्तिशाली वातावरण बनाएं
हम आत्माएं योगबल से पावन बनती जायेगी
माया भी हम बच्चों को उतना ही कम सताएगी
मायाजीत बनेंगे हम बनेंगे हम ही विकर्माजीत
फिर हम बच्चों की महिमा के भक्त गाएंगे गीत
ॐ शांति